# भारत-बांग्लादेश परिवहन कनेक्टिविटी का महत्त्व: विश्व बैंक

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में [विश्व बैंक ]की रिपोर्ट "कनेक्टिंग टू थ्राइव: चैलेंजेज़ एंड अपॉर्च्युनिटीज़ ऑफ ट्रांसपोर्ट इंटीग्रेशन इन ईस्टर्न साउथ एशिया" में कहा गया है कि भारत और बांग्लादेश के बीच निर्बाध परिवहन कनेक्टिविटी बांग्लादेश तथा भारत की राष्ट्रीय आय को क्रमशः 17% और 8% तक बढ़ाने की क्षमता रखती है। ।

- रिपोर्ट में बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल (BBIN) मोटर वाहन समझौते (MVA) का विश्लेषण किया गया है।

//

## प्रमुख बिंदु:

**विभिन्न मुद्दे:**

- **व्यापार:**
  - दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार में बांग्लादेश के व्यापार का लगभग 10% और भारत के व्यापार का मात्र 1% हिस्सा है।
    - उच्च टैरिफ, पैरा-टैरिफ और नॉन टैरिफ बाधाएँ भी प्रमुख व्यापार बाधाओं के रूप में मौजूद हैं। बांग्लादेश और भारत में टैरिफ का औसत वैश्विक औसत के दोगुने से अधिक है।
- **सीमा पारगमन संबंधी जटिलता:**
  - परिवहन एकीकरण में कमी बांग्लादेश और भारत के बीच की सीमा को दुर्गम बनाता है। भारत-बांग्लादेश के बीच सबसे महत्त्वपूर्ण सीमा चौकी पेट्रापोल-बेनापोल को पार करने में कई दिन लगते हैं।
    - इसके विपरीत पूर्वी अफ्रीका सहित दुनिया के अन्य क्षेत्रों में सीमाओं को पार करने में लगने वाला समय छह घंटे से भी कम है।
- **पूर्वोत्तर की अलग स्थिति:**
  - भारतीय ट्रकों को बांग्लादेश से होकर जाने की अनुमति नहीं है। भारत का उत्तर-पूर्व क्षेत्र देश के बाकी हिस्सों से अलग-थलग है और केवल 27 किलोमीटर चौड़े सिलीगुड़ी कॉरिडोर के माध्यम से जुड़ा हुआ है, जिसे "चिकन नेक" भी कहा जाता है। इस कारण परिवहन मार्ग बहुत लंबा और महँगा है।

**बेहतर कनेक्टविटी के लाभ:**

- **वास्तवकि आय में वृद्धि:**
    - बांग्लादेश के सभी ज़िले एकीकरण से लाभान्वति होंगे तथा पूर्वी ज़िलों की वास्तवकि आय में बड़ा लाभ होगा।
    - बांग्लादेश के सीमावर्ती राज्य जैसे उत्तर-पूर्व में असम, मेघालय, मिज़ोरम और त्रपुिरा तथा पश्चमि में पश्चमि बंगाल एवं उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र जैसे दूर स्थति राज्यों को भी सहज कनेक्टविटी का अधकि आर्थकि लाभ मलिेगा।
- **नर्यात में वृद्धि:**
    - बांग्लादेश से भारत को कयि जाने वाले नर्यात में 297% की वृद्धि और भारत से बांग्लादेश को कयि जाने वाले नर्यात में 172% की वृद्धि होगी।
- **सामरकि महत्त्व:**
    - भौगोलकि रूप से बांग्लादेश की अवस्थति इसे भारत, नेपाल, भूटान और अन्य पूर्वी एशयािई देशों के लयि एक रणनीतकि प्रवेश द्वार बनाती है। क्षेत्रीय व्यापार, पारगमन और रसद नेटवर्क में सुधार करके बांग्लादेश एक आर्थकि महाशक्त बिन सकता है।

**महत्त्वपूर्ण सफिारशिें:**

- **MVA को सशक्त बनाना:**
    - चालक के लाइसेंस और वीज़ा नयिमों में सामंजस्य बठिाना।
    - एक कुशल क्षेत्रीय पारगमन सुवधिा की स्थापना।
    - व्यापार और परविहन दस्तावेज़ों को युक्तसिंगत एवं डजिटिल बनाना।
    - व्यापार मार्गों के चयन प्रक्रयिा को उदार बनाना।
- **क्षेत्रीय कनेक्टविटी में सुधार:**
    - क्षेत्रीय गलयिारों के साथ कोर परविहन और रसद अवसंरचना ढाँचे की प्रभावी क्षमता में वसि्तार करना।
    - परविहन सेवा बाज़ारों में प्रतसि्पर्द्धा सुनशि्चति करना।
    - भूम पित्तन और समुद्री पत्तनों पर आधुनकि सूचना प्रौद्योगकिी के बुनयिादी ढाँचे का नर्माण करना।
    - बांग्लादेश और भारत में 'ऑफ-बॉर्डर कस्टम क्लीयरेंस' सुवधिाएँ वकिसति करना।
- **स्थानीय समुदायों का एकीकरण:**
    - स्थानीय बाज़ारों को क्षेत्रीय गलयिारों से जोड़ना।
    - नर्यात-उन्मुख मूल्य शृंखलाओं में रसद संबंधी बाधाओं को दूर करना।
    - वृहत् समुदाय और घरेलू स्तर पर नर्यात-उन्मुख कृष मिूल्य शृंखलाओं में महलिाओं की भागीदारी में सुधार करना।

## बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल मोटर वाहन समझौता:

**BBIN:**

- इस समझौते को यात्री, व्यक्तगित व माल ढुलाई वाहनों के यातायात नयिमन हेतु अमल में लाया गया है।
- इस समझौते का मुख्य उद्देश्य इस उप क्षेत्र में सड़क यातायात को सुरक्षति, आर्थकि और पर्यावरण की दृष्ट सि अनुकूल बनाना है।
- वर्ष 2015 में बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल के बीच भूटान की राजधानी थपि्पू में BBIN मोटर वाहन समझौते पर हस्ताक्षर कयि गए थे।
    - समझौते के अनुसार, सदस्य देश अन्य देशों में पंजीकृत वाहनों को कुछ नयिमों और शर्तों के तहत अपने क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमत देंगे। सीमा शुल्क और अन्य शुल्क का नर्धारण संबंधति देशों द्वारा कयिा जाएगा तथा इन्हें द्वपिक्षीय एवं त्रपिक्षीय मंचों पर अंतमि रूप दयिा जाएगा।
    - MVA के कार्यान्वयन में देरी हुई है क्योंक दिेश कुछ प्रावधानों पर स्पष्टीकरण चाहते हैं।
- **उद्देश्य:**
    - व्यक्तयिों और सामानों की सीमा पार आवाजाही को सुवधिाजनक बनाकर लोगों को सहज संपर्क प्रदान करना और आर्थकि संपर्क बढ़ाना।

## स्रोत- इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/significance-of-india-bangladesh-transport-connectivity-world-bank